आयात

वित्तीय वर्ष	मात्रा, लाख मीटरी टन में	मूल्य, करोड़ रुपये में
1980-81	1.806	93.25
1981-82	2.15	101.50
1982-83	...	...
1983-84	...	...

वित्तीय वर्ष 1984-85 में सरकार ने लगभग 3.54 लाख मीटरी टन चीनी का आयात करने के लिए ठेके किए हैं और चीनी के बन्दरगाह पर पहुंच जाने तथा राज्य व्यापार निगम के गोदामों में रख लिए जाने के बाद ही आयातित चीनी के बन्दरगाह पर पर पहुंच जाने तथा राज्य व्यापार निगम के गोदामों में रख लिए जाने के का मूल्य निकाला जा सकता है।

देश में पेयजल की समस्या वाले गांव

2139. **श्री सत्यनारायण जटिया :**
श्रीमती गीता मुखर्जी :

क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में जून, 1984 में ऐसे कितने गांव थे जिनमें पेयजल की समस्या और पानी का अभाव है और कितने लोग इन समस्याओं से प्रभावित हैं;

(ख) वर्ष 1980-81 से 1983-84 तक कितने गांवों में प्रतिवर्ष पेयजल की सप्लाई की व्यवस्था की गई और इस पर प्रति वर्ष कितनी धनराशि खर्च की गई; और

(ग) गांवों को शुद्ध पेयजल की सप्लाई संबंधी सरकारी नीति क्या है और शेष गांवों (जून, 1984 को) के लिए कब तक पेयजल की व्यवस्था कर दी जाएगी और इस पर अनुमानत: कितनी धनराशि खर्च होगी;

निर्माण और आवास मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ) : (क) 1980 में विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में पता लगाये गये 2,30,784 समस्या-ग्रस्त ग्रामों में से 1.4.84 को 78876 समस्याग्रस्त ग्रामों को पेयजल मुहैय्या करना शेष है। 1971 की जनगणना के अनुसार पेयजल मुहैय्या किए जाने वाले शेष ग्रामों की जनसंख्या अनुमानत: 6.89 करोड़ है।

(ख) यह सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

(ग) प्रधान मंत्री के 20 सूत्री कार्यक्रम के सूत्र सं.8 के अन्तर्गत 1.4.1980 को पता लगाए गए सभी समस्याग्रस्त ग्रामों को 31.3.85 तक स्वच्छ पेयजल का कम से कम एक स्रोत मुहैय्या किया जाना है। 31.3.84 तक ऐसे 1,51,898 ग्रामों को